809

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त परिचय

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. पंचांग किसे कहते है? वर्णन कीजिए।

2. वेद को परिभाषित करते हुए वेदांगों का उल्लेख कीजिए।

3. जातकर्म-नामकरण मुहूर्त का लेखन करते हुए अक्षराम्भ-विद्यारम्भ का प्रतिपादन कीजिए।

4. गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश से क्या तात्पर्य है? वर्णन कीजिए।

5. पंचांग पूजन से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. कर्मकाण्ड का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

2. गर्भाधान एवं पुंसवन संस्कार का वर्णन कीजिए।

3. अष्टादश पुराणों का उल्लेख कीजिए।

4. नक्षत्र एवं योगों को परिभाषित करते हुए उसका विस्तृत लेखन कीजिए।

5. वारों का शुभाशुभ फल विचार लिखिए।

6. वेदों का महत्त्व निरूपण कीजिए।

7. गणपति-गौरी का पूजन विधि लिखिए।

8. पूजन की आवश्यकता क्या है? अपने शब्दों में लिखिए।